

इन्टीगरल विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

बेटियाँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं - राज्यपाल

लखनऊ: 11 नवम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष, इन्टीगरल विश्वविद्यालय, श्री राम नाईक आज विश्वविद्यालय के छठे दीक्षान्त समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर इन्टीगरल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, डॉ० एस०आर० आजमी नदवी, कुलपति प्रो० एस० डब्ल्यू० अख्तर, कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो० एन०सी० गौतम, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति ले०जनरल जमीर-उद्दीन शाह (अवकाश प्राप्त) सहित अन्य विद्वतजन उपस्थित थे। दीक्षान्त समारोह में कुलपति, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ले०जनरल जमीर-उद्दीन शाह को मानद उपाधि प्रदान की गयी तथा छात्र-छात्राओं को पीएच०डी० व अन्य विषयों की उपाधि एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने आज सर्वप्रथम मौलाना अबुल कलाम आजाद की 126वीं जयंती के अवसर पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जन्मदिन शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि दीक्षान्त समारोह के साथ जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव पूरा हो चुका है। जीवन की स्पर्धा में जो मेहनत करेगा वही आगे बढ़ेगा। सबसे ज्यादा युवा भारत में हैं और जहां युवाओं की संख्या ज्यादा होती है वही देश तरक्की करता है। उन्होंने कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को यह विचार करना होगा कि उनके परिवार, गांव, प्रदेश एवं देश का नाम कैसे आगे बढ़े।

श्री नाईक ने कहा आज विदेशों में भारतीय मूल की प्रतिभा चिकित्सा एवं सूचना तकनीक में अग्रणी भूमिका निभा रही है। दृढ़ इच्छाशक्ति से भारत एक विश्व शक्ति बन सकता है। आज ज्यादातर दीक्षान्त समारोहों में स्वर्ण एवं रजत पदक बेटियाँ प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह शुभ संकेत है कि आज बेटियाँ हर क्षेत्र में आगे जा रही हैं।

राज्यपाल ने व्यक्तित्व विकास के चार सूत्र बताते हुए कहा कि सदैव मुस्कराते हुए कार्य करें, दूसरों के गुणों की प्रशंसा करें तथा अच्छे गुण ग्रहण करें, किसी की अवमानना न करें एवं हर कार्य को बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हमारे युवा हिम्मत से आगे बढ़ने का संकल्प लें तो देश प्रगति करेगा।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति, ले०जनरल जमीर-उद्दीन शाह ने अपने दीक्षान्त भाषण में कहा कि यह सूचना तकनीक का युग है जिसमें आगे भी चुनौतियाँ हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय तकनीक के आधार पर आगे बढ़े तथा शिक्षा प्रदान करने में नये प्रयोग करें। शोध पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देश हित में गुणवत्तायुक्त शोध से देश प्रगति कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र-छात्रायें अपने रुचि के अनुसार विषयों का चयन करें।

इस अवसर पर प्रो० वसीम अख्तर, कुलपति इन्टीगरल विश्वविद्यालय ने स्वागत भाषण दिया तथा विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।



